पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड का आउटकम बजट वर्ष 2018–19 (धनराशि लाख रू0 में)

क्रं0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य/आउटकम	आउट ले/बजट		एस0डी0जी Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट वर्ष 2018–19	01–04–2017 की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
केन्द्र पोषित योजना–									
1	उत्तराखण्ड पशुचिकित्सा परिषद–50 प्र.के.पो.	राज्य में पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कार्य करना।	31.88	—	**Sustainable Development Goals:** Goal-1 (No Poverty), Goal-2(Zero Hunger). **Indicators:** 1-Increasing Livestock Production. 2-Per Capita Milk Production.	06 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण। नवीनीकरण–95 स्थायी पंजीकरण– 64 अस्थाई पंजीकरण– 60	पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण–नवीनीकरण–112 स्थायी पंजीकरण–42 अस्थाई पंजीकरण–74	पशुचिकित्साविदों हेतु वैधानिक संस्था का गठन कर उत्तराखण्ड़ के पशुचिकित्साविदों का पंजीकरण कर पशुपालकों को स्तरीय पशुचिकित्सा सेवा देना।	निरन्तर
2	रिन्डरपेंस्ट उन्मूलन योजना (100 प्र.के.पो.)	रिन्डरपेंस्ट रोग की उन्मूलन तथा सर्विलेंस करना।	2.50	—		डेबुक निरीक्षण–1176 तथा ग्राम सर्विलेंस कार्यक्रम–8417	डेबुक निरीक्षण–7421 ग्राम सर्विलेंस–5805	प्रदेश को आर.पी. रोग से मुक्त रखना (शून्य इन्सीडेन्स)।	निरन्तर
3	पशु रोगों पर नियंत्रण हेतु राज्यों को सहायता (90 प्र.के.पो)	पशुओं हेतु विभिन्न रोगों से बचाव हेतु लाजिस्टिकस वैक्सीन का क्रय/ गोष्ठियों का आयोजन।	80.00	—		190 ब्लाकस्तर एंव 13 जनपद स्तरीय गोष्ठियों का आयोजन, टीकाकरण–HS-4 लाख, BQ-2 लाख, ARV-1 लाख, RD-1 लाख, FP-1 लाख।	टीकाकरण–21.1 लाख	1.प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना। 2. पशुओं की चिकित्सा कर उनका उत्पादन बढाना। 3. पशुपालकों में संक्रामक रोगों के प्रति जागरूकता।	निरन्तर

4	पशु रोग सूचना तंत्र (100 प्र.के.स.)	ब्लाक स्तर से राष्ट्र स्तर पर सूचनाओं का इन्टरनेट के माध्यम से प्रेषण।	5.00	—		95 ब्लाक स्तरीय 13 जनपद स्तरीय 02 राज्य स्तरीय कार्यालयों में ब्राड बैण्ड सुविधायुक्त कम्प्यूटर की उपलब्धता।		पशु रोग सम्बन्धी त्वरित सूचनाओं का राष्ट्रीय स्तर पर संवहन तथा शीघ्र रोग की रोकथाम। सूचना संवहन–95 ब्लाक।	निरन्तर
5	वर्तमान पशु चिकित्सालयों एवं पशु औषधालयों की स्थापना एंव सुदृढीकरण	विभागीय संस्थाओं को राजकीय भवन में व्यवस्थित करना एवं वर्तमान भवनों का सुदृढ़ीकरण कर अवस्थापना विकास।	68.50	18.50		पशु चिकित्सालयों/ पशुऔषधालयों के भवन निर्माण/सुदृढीकरण। पशुचिकित्सालय–01 (सुदृढीकरण), पशु औषधालय–02 (सुदृढीकरण), मोबाईल वेटनरी क्लीनिक–13		पशुपालक को आधुनिक तकनीकी के माध्यम से निकटस्थ स्थान पर उचित चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	निरन्तर
6	ब्रूसैला रोग नियंत्रण की योजना–90 प्र.के.स.	ब्रूसैला रोग नियंत्रण।	5.00	—		रोग नियंत्रण।		जूनौटिक महत्व के ब्रूसेला का रोग नियंत्रण।	–
7	पशुधन स्वास्थ्य व रोग नियंत्रण कार्यक्रम–90 प्र.के.स.	पी.पी.आर रोग पर नियंत्रण।	12.00	—		रोग नियंत्रण।	पी.पी.आर –7.28 लाख	भेड एवं बकरियों की मृत्यु दर में नियंत्रण कर उत्पादकता में वृद्धि।	–
8	खुरपका मुँहपका रोगों पर नियंत्रण की योजना	एफ0एम0डी0 रोग पर नियंत्रण	305.55	—		एफ0एम0डी0 रोग नियंत्रण– वर्ष में दो बार। एफ0एम0डी0–44 लाख।			निरन्तर

9	नेशनल पशुधन मिशन– के0स0	नेशनल पशुधन मिशन का संचालन।	450.00	—		12920 पशुओं का बीमा, इनोवेटिव पोल्ट्री प्रोडक्टिवटी, 47 है0 मे चारा विकास।		रिस्क मैनेजमेन्ट (पशु बीमा) चारा विकास, कौशल विकास, मदर कुक्कुट पालन इकाई स्थापना। वर्ष 2020 तक अण्डा उत्पादन में 20.78 प्रतिशत की वृद्धि	निरन्तर
10	नकुल स्वास्थ्य पत्र	पशुपालक के द्वार पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	100.00	—		पशुओं को यू.आई.डी. (टैग एप्लीकेटर, हैल्थ कार्ड) उपलब्ध कराना।		दुग्ध उत्पादन में वृद्धि। वर्ष 2020 तक अनुमानित उत्पादन–2006 ह0मी0टन।	निरन्तर
11	ई–पशुधन हाट	पशु क्रय–विक्रय हेतु ई मार्केट का विकास।	0.01	—		पशुधन प्रक्षेत्रों पर उपलब्ध पशुधन का डाटा ई पोंटल पर अपलोड करना।		प्रक्षेत्रों पर विक्रय हेतु पशु उपलब्धता को पोर्टल पर सार्वजनिक करना।	निरन्तर
12	राष्ट्रीय देशी जेनोमिक केन्द्र	देशी नस्ल की प्रजाति का संवर्धन व संरक्षण का कार्य।	0.01	—		कृत्रिम गर्भाधान हेतु वीर्य उत्पादन।		देशी प्रजाति के संरक्षण व संरक्षण हेतु न्यूक्लियस हर्ड को व्यवस्थित करना।	निरन्तर
13	राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना		0.01	—					निरन्तर

14	प्रदेश में पशुगणना का कार्य के.स.	पशुगणना संबंधी कार्यों का सम्पादन।	200.00	—		राज्य में 20वीं पशुधन संगणना 2017 का कार्य सम्पादन।		विभिन्न कार्यकमों हेतु पशु संख्या संबंधी ऑकडे एकत्रित करना तथा उनका उपयोग राज्य विकास हेतु करना।	निरन्तर
15	सांख्यिकीय इकाई की स्थापना	पशुजन्य उत्पादों के अनुमानों का ऑगणन।	106.77	—	**Sustainable Development Goals:** Goal-1 (No Poverty), Goal-2(Zero Hunger). **Indicators:** 1-Increasing Livestock Production. 2-Per Capita Milk Production.	29 कार्मिकों का अधिष्ठान। पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। वर्ष 2018–19 हेतु अनुमानित लक्ष्यः– दुग्ध उत्पादन–1892 ह0मी0टन ।अण्डा उत्पादन–4582 लाख संख्या ।ऊन उत्पादन– 579 ह0कि0ग्रा0 ।मीट उत्पादन– 302 लाख कि0ग्रा0।	29 कार्मिकों का अधिष्ठान पशुजन्य पदार्थों के ऋतुवार अनुमान निकालना। दैनिक दुग्ध उत्पादन प्रति दूध दे रही स्वदेशी गाय–2.107 कि0ग्रा0 ।दैनिक दुग्ध उत्पादन प्रति दूध दे रही क्रासब्रीड गाय–7.128 कि0ग्रा0 ।दैनिक दुग्ध उत्पादन प्रति दूध दे रही भैंस–4.556कि0ग्रा0 ।दैनिक दुग्ध उत्पादन प्रति दूध दे रही बकरी–0. 391ग्रा0वार्षिक अण्डा उत्पादन प्रति मुर्गी–219 ।वार्षिक ऊन उत्पादन प्रति भेड़–1.506 कि0ग्रा0 ।मॉस उत्पादन प्रति भेड़–15.388 कि0ग्रा0 ।मॉस उत्पादन प्रति बकरी–15.256 कि0ग्रा0 ।मॉस उत्पादन प्रति सूकर–46.663 कि0ग्रा0 ।मॉस उत्पादन प्रति कुक्कुट–1.144 कि0ग्रा0 ।मॉस उत्पादन प्रति महिषवंशीय–123.361 कि0ग्रा0।	योजनाओं के आधारभूत आंकडें जुटा कर भविष्य की योजनायें बनाना।	निरन्तर
16	नेशनल प्रोग्राम फॉर ब्रोबाईन ब्रीडिंग		0.16						
	योग केन्द्र पोषित योजना		**1367.39**	**18.50**					

राज्य सेक्टर									
1	निदेशालय (अधिष्ठान)	विभागीय संस्थाओं हेतु औषधि/ पशुधन हेतु आहार आदि की व्यवस्था तथा राज्य मण्डल तथा जनपद स्तरीय कार्यालयों के कार्यो का संचालन।	18883.05	—		लगभग 3000 कार्मिकों का अधिष्ठान		राज्य के पशुचिकित्सालयों व भेड़, पशुधन, सूकर, बकरी प्रक्षेत्रों व संस्थाओं के नैतिक कार्यों का संचालन व उपचार तथा रोग नियंत्रण से उत्पादकता में वृद्धि ।	निरन्तर
2	प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सुदृढ़ीकरण	कार्मिकों को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान कर कार्यकुशलता में वृद्धि करना।	3.00	—		प्रशिक्षणों की संख्या–8 कार्मिक संख्या–80		कार्मिकों को आधुनिक तकनीकि से प्रशिक्षित कर कार्य कुशलता, दक्षता में वृद्धि करना।	निरन्तर
3	पशु चिकित्सालयों में शल्य चिकित्सा आदि की सुविधा	राज्य में गम्भीर रूप से बीमार व दुर्घटनाग्रस्त पशुओं को शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	12.00	—	**Sustainable Development Goals:** Goal-1 (No Poverty), Goal-2(Zero Hunger). **Indicators:** 1-Increasing Livestock Production. 2-Per Capita Milk Production.	योजनान्तर्गत पाँच पशु चिकित्सालयों द्वारा एक्सरे/ अल्ट्रासाउन्ड आदि सुविधा प्रदान करने हेतु आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था।	एक्सरे– 501, अल्ट्रासाउन्ड–150 व शल्य पशुचिकित्सा–1421।	असाध्य एवं गम्भीर रोगों के उपचार/निदान की सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु आधुनिक शल्य केन्द्रों की स्थापना करना, जिससे पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि हो।	निरन्तर
4	पशु चिकित्सालयों/ पशु सेवा केन्द्रों की स्थापना (रा0सै0)	पशुपालक के पशुओं को सभी विभागीय सुविधायें निकटतम स्थान पर उपलब्ध कराने हेतु कार्मिकों की पदस्थापना एवं औषधि इत्यादि की व्यवस्था।	237.98	—		118 कार्मिकों का अधिष्ठान योजनान्तर्गत दो पशु चिकित्सालय एवं 110 पशु सेवा केन्द्र।		पशुपालकों को अपने निवास के निकट संस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर तकनीकी सुविधायें उपलब्ध कराकर **"सेवा का सघनीकरण"** करना।	निरन्तर

5	राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्य	नवसृजित निदेशालय के कार्यालय/ आवासीय भवन की व्यवस्था।	0.00	0.00		निदेशालय/मण्डल स्तरीय भवन निर्माण।	प्रशासनिक भवन–01।	कार्यालय एवं आवास हेतु अवस्थापना विकास।	एक वर्ष
6	पशु चिकित्सालयों, पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण (रा0सै0)	विभागीय भवनों का निर्माण कर पशुपालकों को तकनीकी सेवा /आकस्मिक सेवायें उपलब्ध कराना।	0.00	100.02		02 पशु सेवा केन्द्रों को विभागीय भवनों में व्यवस्थित करना, अवस्थापना विकास।	पशु सेवा केन्द्र–02।	विभागीय भवनों में आधुनिक उपकरण स्थापित कर आधुनिक चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराना।	एक वर्ष
7	पशुलोक में व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु डेयरी यूनिट की स्थापना	पशुधन प्रसार अधिकारी प्रशिक्षुओं को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कराना।	12.00	—		डेयरी यूनिट–एक गायों की संख्या–75 दुग्ध उत्पादन– 30 हजार कि.ग्रा.		प्रशिक्षु प0प्र0अ0 व सेवारत कार्मिकों को तकनीकी व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर कार्य कौशलता में वृद्धि। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि	निरन्तर
8	बद्री नस्ल के गायों के संरक्षण एंव संवर्धन की योजना	उत्तराखण्ड की बद्री प्रजाति की गाय का संरक्षण व संवर्धन।	20.00	0.00		बद्री गाय का रख–रखाव।		चयनित प्रजनन से उच्च गुणवत्ता परक बद्री सॉडों का वितरण व स्थानीय नस्ल की दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि।	निरन्तर
9	अहिल्याबाई होल्कर भेड़ बकरी विकास योजना	स्वरोजगार हेतु भेड व बकरी इकाईयों की स्थापना।	100.05	—		100 भेड़–बकरी पालन इकाईयों की स्थापना करना।		भेड़, बकरी पालन को बढावा देना, मांस उत्पादन में वृद्धि करना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्धि	निरन्तर

10	राज्य पशुधन एवं कृषि संबंधी प्रक्षेत्र	01 योजनान्तर्गत अंगोरा बकरी प्रक्षेत्र एवं 02 पशुधन प्रक्षेत्रों के पशुओं हेतु आवश्यक दवा, पशु आहार आदि की व्यवस्था।	641.61	—		लगभग 70 कार्मिकों का अधिष्ठान।प्रक्षेत्रों को मॉडल यूनिट के रूप में पशुपालकों के भ्रमण/प्रशिक्षण हेतु विकसित कर नवीनतम तकनीकि जानकारी उपलब्ध कराना।		कृषि प्रक्षेत्रों से चारा बीज/जडों की उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं उत्तम नस्ल के सांड/बकरा सांड/ अंगोरा, पशुपालकों हेतु उपलब्ध कराना व पशुपालकों के कौशल विकास में वृद्धि। योजनान्तर्गत अंगोरा बकरी प्रक्षेत्र–1 पशुधन प्रक्षेत्र–2।	निरन्तर
11	पशुओं को विभिन्न रोगों के संक्रमण से बचाने की योजना	पशुपालक के पशुओं का संक्रामक बीमारियों से बचाव तथा रोग नियंत्रण।	10.00	—		आकस्मिकता की स्थिति में जीवन रक्षक औषधि इत्यादि का क्रय व भण्डारण।		प्रदेश के पशुओं को संक्रमित रोगों से रोग मुक्त करना।	निरन्तर
12	गौसदनों की स्थापना–	निराश्रित/गौवंशीय पशुओं को संरक्षण प्रदान करना।	200.00	—		पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थाओं, गौसदनों के पशुओं के भरणपोषण हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना।		बीमार, अशक्त, पशुओं को उचित शरणस्थली प्रदान करना तथा दुर्धटना आदि को रोकना जनस्वास्थ्य एवं यातायात को प्रभावित होने से रोकना, गौवंश संरक्षण।	निरन्तर
13	केदारनाथ आपदा 2013 में विधवा हुई महिलाओ को गाय वितरण की योजना	आजीविका उत्थान तथा स्वरोजगार प्रदान करना।	0.01	—		लाभार्थियों का जीवन उत्थान करना।		आपदा पीडित क्षेत्रों में पशुपालन को बढावा देते हुए दुग्ध उत्पादन में वृद्धि व संतुलित भोजन उपलब्ध कराना।	एक वर्ष

14	विकासखण्ड धारचूला /मुनस्यारी के पशुपालकों की आजीविका उत्थान	अति दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को पशुपालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान।	20.00	—	**Sustainable Development Goals:** Goal-1 (No Poverty), Goal-2(Zero Hunger). **Indicators:** 1-Increasing Livestock Production. 2-Per Capita Milk Production.	पशुपालन में स्वरोजगारउपलब्ध कराकर पशुपालकों की आर्थिकी में सुधार लाना। गाय, बकरी, भेड, खच्चर, बकरा सॉड व मेढा प्रत्येक की 10 इकाई व कुक्कुट 1000 इकाई की स्थापना करना	बकरा सांड वितरण–32मेढ़ा वितरण–20गौपालन इकाई–124खच्चर पालन इकाई–10बकरी पालन इकाई–12भेड पालन इकाई–8	पशुपालन में स्वरोजगार से आर्थिकी में सुधार व पलायन पर अंकुश हेतु। भेड़, बकरी प्रजाति में नस्ल सुधार कर पशुपालक की पोषकता में वृद्धि के साथ ही संतुलित आहार की उपलब्धता।	एक वर्ष
15	महिला बकरी पालन योजना	अशक्त, विधवा महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	200.00	—		805 बकरी पालन इकाईयों स्थापना।	बकरी पालन इकाई–120	आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मॉस उत्पादन– 0. 174 लाख कि0ग्रा0, दुग्ध उत्पादन–0.100 हजार मी0टन, उत्पन्न संतति–864।	एक वर्ष
16	राज्य में ऊन कतरन एंव विपणन योजना	नवीन तकनीक से कौशल वृद्धि।	50.00	—		भेड पालकों को प्रशिक्षण,ऊन क्रय हेतु रिवाल्विंग फंड की व्यवस्था		स्थानीय ऊन का क्रय व विपणन की व्यवस्था व भेड पालकों का कौशल विकास।	एक वर्ष

17	बकरी पालन योजना	कृषकों को बकरी पालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	220.00	—		501 लाभार्थियों को बकरी पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना मांस उत्पादन– 0.764 लाख कि0ग्रा0, दुग्ध उत्पादन– 0.588 हजार मी0टन, उत्पन्न संतति–7515।		बकरी पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना। मांस उत्पादन में वृद्वि करना। वर्ष 2020 तक मांस उत्पादन में 11.59 प्रतिशत की वृद्धि	निरन्तर
18	भेड़ पालन योजना	कृषकों को भेड़ पालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	69.00	—		114 लाभार्थियों को भेड़ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना मांस उत्पादन– 0.175 लाख कि0ग्रा0, ऊन उत्पादन– 1.888 ह0कि0ग्रा0, उत्पन्न संतति–1710।		भेड पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना साथ ही ऊन, में वृद्वि करना। वर्ष 2020 तक ऊन उत्पादन में 17.15 प्रतिशत की वृद्धि	निरन्तर
19	गो पालन योजना	कृषकों को गौपालन की ओर प्रोत्साहित कर आजीविका उत्थान व स्वरोजगार उपलब्ध कराना।	240.00	—		710 लाभार्थियों को गौ पालन में स्वरोजगार उपलब्ध कराना दुग्ध उत्पादन–1065 ह0कि0ग्रा0, उत्पन्न संतति–568। नर–284, मादा–284।		गौ पालन को बढावा देना व स्वरोजगार उपलब्ध कराना, दुग्ध उत्पादन में वर्ष 2020 तक 21.14 प्रतिशत की वृद्धि	निरन्तर
20	चारा बैंकों (भण्डारण एंव वितरण गृह) की स्थापना	न्याय पंचायत स्तर पर संपीडित सुपाच्य चारा उपलब्ध कराना।	150.00	—		13 न्याय पंचायतों में चारा बैंको की स्थापना करना।		सुपाच्य चारा निकटस्थ स्थान पर उपलब्ध कराकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
21	चारा एवं चारागाह विकास विभाग	चारा एवं चारागाह के उन्नयन हेतु चारागाह विकास विभाग की स्थापना	2.82	—				सुपाच्य चारा निकटस्थ स्थान पर उपलब्ध कराकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि।	निरन्तर
	योग राज्य सेक्टर		**21071.52**	**100.02**					
	कुल योग 2403/4403(राज्य एवं केन्द्र पोषित)		**22438.91**	**118.52**					